हरिभूमि

भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, मंगलवार 21 अप्रैल 2026

11 मोर्चा ने महापंचायत को लेकर चलाया जन ...

12 बायोमेट्रिक शर्तों के खिलाफ सड़कों पर उतरे...

मार्केट कमेटी ने धर्मशाला कमेटी को नोटिस भेजा, आढ़तियों को ढेरी चबूतरे पर सरकाने की सलाह

अनाजमंडी में सीवर ओवरफ्लो पानी ने गेहूं की ढेरियों को घेरा

सड़ांध वाले पानी से गेहूं के सड़ने की आशंका बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बिना बारिश अनाजमंडी में पानी घेरा डाले तो सहज ही किसी को भी विश्वास नहीं होगा। पर यह सौ फीसदी सही मामला भिवानी अनाजमंडी का है। अनाजमंडी में सीवर ओवरफलो होकर पानी मंडी की सड़कों पर बहने लगा। यहां तक की पानी ने अनाजमंडी चबूतरे पर बनी गेहूं की एक दो ढेरियों के चारों तरफ घेरा बना लिया। यह वाक्या दो दिन पहले का है,लेकिन आज भी गेहूं की ढेरी के चारों तरफ पानी का घेरा बना हुआ है। यही हालात बने रहे तो सड़े हुए पानी से लोगों का निवाला (गेहूं) सड़ने लगेगा। फिलहाल सीवर के मेनहोल से निकले पानी से हजारों रुपये के गेहूं खराब होने की आशंका बन गई है।

जानकारी के अनुसार 17 व 18 अप्रैल के शाम के वक्त हल्की बारिश आई थी। उस वक्त अनाजमंडी में बनी निजी धर्मशाला का सीवर का मेनहोल ओवर फलो हो गया। जिससे पानी आगे बहने की बजाए सड़कों पर बहने लगा। धर्मशाला के सीवर का ढलान आगे की तरफ होने की वजह से पानी मंडी की चौक की तरफ पहुंच गया। वहां पर गेहूं की ढेरियां चबूतरें पर पड़ी थी,लेकिन पानी ज्यादा होने की वजह से चबूतरे पर पड़ी गेहूं की ढेरी के चारों तरफ पानी फैल गया। बाद में कुछ पानी तो निकल गया,लेकिन अभी भी एक दो ढेरियों के चारों तरफ पानी का घेरा लगा हुआ है। सड़ांध वाले पानी से गेहूं की सड़ने की आशंका बढ गई है। दूसरी तरफ जिस आढ़ती की दुकान के आगे ये ढेरियां बनी है। उनको भी मोटा नुकसान होने की आशंका बनी है। फिलहाल इस बारे में कोई भी आढती बोलने को तैयार नहीं।

भिवानी। अनाजमंडी में गेहूं की ढेरी के चारों तरफ फैला दूषित पानी और अनाजमंडी में सड़कों पर डाली गई गेहूं की ढेरी। फोटो : हरिभूमि

- सीवर का ढलान आगे की तरफ होने से पानी मंडी की तरफ पहुंचा

मार्केट कमेटी के अधिकारी पहुंचे मौके पर

बताया जा रहा है कि गेहूं की ढेरी के चारों तरफ पानी का घेरा होने को लेकर मार्केट कमेटी ने मंडी स्थित निजी धर्मशाला की कमेटी को नोटिस भेजा है। क्योंकि जो सीवर का मेनहोल ओवरफलो हुआ है। वह सीवर निजी धर्मशाला की सीवर लाइन है। उसके ओवरफलो होने से यह समस्या बनी है। जब मार्केट कमेटी के अधिकारियों ने इसकी जानकारी मिली तो वे तत्काल मौके पर पहुंचे और सबसे पहले यह तस्ल्ली की गई कि सीवर लाइन मार्केट कमेटी की है या फिर धर्मशाला की। जांच पड़ताल में सीवर लाइन धर्मशाला की निकली। मार्केट कमेटी का नोटिस मिलने के बाद धर्मशाला कमेटी ने सीवर को दुरुस्त करवा दिया। पर गंदे पानी से जो गेहूं की सूरत बदली है। इसका मार किस पर पड़ेगी या सूखने के बाद बोरियों में भर कर गोदामों में पहुंचा दिया जाएगा।

क्या कहते हैं मार्केट कमेटी के सचिव

इस बारे में मार्केट कमेटी के सचिव देवेंद्र कुमार ने बताया कि उनको इस मामले की उसी दिन जानकारी मिल गई थी। उन्होंने मौके का मुआयना किया तो सीवर निजी धर्मशाला का निकला। उन्होंने उसी वक्त निजी धर्मशाला की कमेटी नोटिस जारी करके जवाब तलबी की। साथ ही जिस दुकान के आगे गेहूं की ढेरी के चारों तरफ पानी का घेरा था। उसको चबूतरे के उपर सरकाने की कही गई है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया पानी से ज्यादा गेहूं खराब नहीं होगा,क्योंकि पानी ढेरी के एक ही तरफ था,लेकिन उसके बाद भी आढ़ती को गेहूं को आगे व पीछे करने की कही है।

भिवानी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के आगमन को लेकर आयोजित बैठक में तैयारियों का जायजा लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के आगमन पर तैयारियों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- सीबीएलयू के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होंगे मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत

देश के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के 25 अप्रैल को भिवानी आगमन को लेकर स्थानीय न्यायिक परिसर में न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया ने की। उन्होंने समारोह की तैयारियों की समीक्षा की। डीसी साहिल गुप्ता ने सभी कार्यक्रमों के लिए संबंधित अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए। दादरी की सेशन जज गगनदीप कौर सिंह सहित अनेक न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के आगमन पर भिवानी न्यायिक परिसर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत लोहारू के न्यायिक परिसर की आधारशिला रखेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। वहीं डीसी साहिल गुप्ता ने भी लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, जन स्वास्थ्य, नगर परिषद, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन आदि विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान प्रवर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने सुरक्षा प्रबंधों के बारे में जानकारी दी। बैठक के दौरान सीबीएलयू की कुलगुरु प्रो. दीप्ति धर्माणी ने बताया कि विवि में आयोजित होने वाले वार्षिक दीक्षांत समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत मुख्य अतिथि होंगे। इस दौरान सीजेएम कम सचिव डीएलएसए पवन कुमार, सीजेएम मीता कोहली, एसडीएम महेश कुमार, नगराधीश अनिल कुमार, डीएमसी हरिबीर सिंह, एसडीएम तोशाम संदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

हेरोइन बरामदगी मामले में सप्लायर गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस एंटी नारकोटिक्स सैल भिवानी की टीम ने कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ हेरोइन सप्लाई करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एंटी नारकोटिक्स सैल भिवानी के उपनिरीक्षक अमरजीत सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दो युवकों को बाइक पर मादक पदार्थ हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपियों की पहचान गुरनाम निवासी पीरावाली जिला हिसार तथा राजू निवासी पीरावाली जिला हिसार के रूप में हुई थी। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जे से 7.74 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद की गई थी।

सड़क हादसे में 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत

तोशाम। गांव मढ़ान में बस अड्डे के नजदीक अज्ञात पिकअप की चपेट में आ जाने से 50 वर्षीय व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। प्राप्त जानकारी के अनुसार मढ़ान निवासी रोहतास अपने गांव के बस अड्डे पर सड़क पार कर रहा था। तभी ओवरस्पीड पिकअप गाड़ी आई। गाड़ी ने रोहतास को सीधी टक्कर मारी। जिसके कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भिवानी भेज दिया।

संस्कारयुक्त शिक्षा पर बोर्ड प्रांगण में महाकुंभ आज

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड प्रांगण में 21 अप्रैल को संस्कारयुक्त शिक्षा एवं प्राकृतिक खेती विषय पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल को लेकर शिक्षकों एवं शिक्षाविदों में भारी उत्साह है। कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने को गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे, वे न केवल प्राकृतिक खेती के प्रणेता माने जाते हैं, बल्कि शिक्षा में मानवीय मूल्यों और योग आधारित जीवनशैली के प्रबल समर्थक हैं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत शिक्षकों को बताएंगे कि कैसे आधुनिक शिक्षा को संस्कारों और प्रकृति से जोड़कर स्वस्थ समाज की नींव रखी जा सकती है। स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा ने इस पहल का स्वागत किया है।

मांगों को लेकर रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा का रोष प्रदर्शन 21 को, सौंपेंगे ज्ञापन

भिवानी। रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा भिवानी के जिला प्रधान नरेश शर्मा व ब्लॉक भिवानी के सह सचिव ओमप्रकाश दलाल ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि केंद्र सरकार 8वें वेतन आयोग में पेंशन रिवीजन निर्धारण करने में आनाकानी कर रही है। पेंशन वित्त विधेयक 2025 वापिस करवाने व अन्य लंबित मांगे मनवाने के लिए रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा द्वारा 21 अप्रैल को भिवानी में प्रदर्शन कर उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा। इस दौरान अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडेरेशन के आहवान पर पूरे देश में उपायुक्त कार्यालयों पर रोष प्रदर्शन करके माननीय प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिए जाएंगे। जिला प्रधान नरेश शर्मा व ब्लॉक भिवानी के सहय सचिव ओमप्रकाश दलाल ने कहा कि केन्द्र सरकार पैंशन वित्त विधेयक 2025 को वापिस लें।

कीर्ति नगर में सालभर से खोदी गई गलियां, बूंद-बूंद को तरसे क्षेत्रवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- अंडरग्राउंड गैस पाइप लाइन के काम के लिए अनेक जगह खोदी सड़के, हादसों का भय: पार्षद अंकुर
- खुदाई के दौरान पेयजल लाइन हुई क्षतिग्रस्त, घर के नलों से गायब हुआ जल : पार्षद कौशिक

वार्ड नंबर-5 स्थित कीर्ति नगर के निवासियों के लिए सरकारी विकास कार्य अब जी का जंजाल बन गया है। पिछले करीबन एक साल से क्षेत्र में चल रहे अंडरग्राउंड गैस पाइपलाइन के काम ने स्थानीय लोगों का जीना दूभर कर दिया है। हालात इस कदर बदतर हो चुके हैं कि अब स्थानीय निवासियों का धैर्य जवाब दे गया है, जिसके चलते सोमवार को वार्ड पार्षद अंकुर कौशिक के नेतृत्व में लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर रोष प्रकट किया। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि गैस पाइपलाइन बिछाने वाली कंपनी ने पूरी कॉलोनी की गलियों और मुख्य रास्तों को जगह-जगह से खोद कर छोड़ दिया है।

खुदाई के दौरान लापरवाही का आलम यह है कि कई जगह सीवरेज की लाइनों को क्षतिग्रस्त कर दिया है, जिससे क्षेत्र में गंदगी और बदबू का माहौल बना हुआ है।

सड़क की मरम्मत नहीं की

सालभर बीत जाने के बाद भी न तो पाइपलाइन का काम पूरा हुआ है और न ही तोड़ी गई सड़कों की मरम्मत की गई है। वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी ने वार्डवासियों की मुश्किलों को दोगुना कर दिया है। खुदाई के कारण पेयजल की लाइनें भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। जिसके चलते कीर्ति नगर के घरों में नलों से पानी गायब है। वही महिलाओं का कहना है कि उन्हें पीने के पानी के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जबकि प्रशासन मौन साधे बैठा है। वही प्रदर्शन की अध्यक्षता कर रहे वार्ड नंबर-5 के पार्षद अंकुर कौशिक सहित पार्षद जयवीर सिंह रंगा, पार्षद प्रतिनिधि मदन तंवर, पार्षद प्रतिनिधि मदन सुदामा तंवर ने कहा कि कीर्ति नगर की जनता पिछले एक साल से नरकीय जीवन जीने को मजबूर है। विकास के नाम पर पूरी कॉलोनी को खंडहर बना दिया गया है। ठेकेदार पाइपलाइन डालने के बाद सडक़ों को उसी हाल में छोड़ देते हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। सीवरेज और पानी की लाइनें आपस में मिल रही हैं, जिससे महामारी फैलने का खतरा बढ़ गया है। हमने बार-बार अधिकारियों को अवगत करवाया, लेकिन केवल आश्वासन ही मिले। यदि अगले एक सप्ताह के भीतर सडक़ों की मरम्मत और पानी की सुचारू सप्लाई शुरू नहीं हुई, तो हम नगर परिषद कार्यालय का घेराव करेंगे।

ठगों ने धोखाधड़ी कर लाखों की राशि उड़ाई, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

- लोहारू पुलिस थाने में दो दिन में ऑनलाइन धोखाधड़ी के पांच मुकदमे दर्ज हुए

ऑनलाइन ट्रांजेक्शन अब लोगों के लिए जी का जंजाल बनने लगी है। पिछले दो दिनों के दौरान लोहारू पुलिस थाने में ऑनलाइन धोखाधड़ी के पांच मुकदमे दर्ज किए, जिनमें ठगों ने ऑनलाइन तरीके से धोखाधड़ी कर लोगों के बैंक खातों से लाखों रुपयों की राशि पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार ढिगावा जाटान निवासी नरेश कुमार के खाते सें अज्ञात व्यक्ति ने 96 हजार 999 रुपये और 25 हजार रुपये की राशि निकाली। जिसकी सूचना मिलने पर टॉल फ्री नंबर पर शिकायत दी गई। वहीं दूसरे मामले में लोहारू निवासी उमेद सिंह ने बताया कि उसके मोबाइल पर एपीके फाइल आई थी तथा फाइल को क्लिक करते ही बैंक खाते से 98994 रुपये राशि गायब हो गई। वहीं तीसरे मामले में नकीपुर निवासी मुनेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका और उसके भाई नरेंद्र का बैंक में सांझा खाता था। उनके बैंक खाते से ठगों ने 90 हजार रुपये की राशि निकाल ली। ढिगावा जाटान निवासी शिव कुमार के बैंक खाते से 57 हजार रुपये और आसिफ अली खाते से पांच हजार रुपये निकाल लिए गए।

हालुवास के साईं धाम में मूर्ति स्थापना दिवस पर भंडारा एवं कार्यक्रम 23 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- मंदिर की पवित्रता एवं सुख-समृद्धि की कामना के लिए सुबह 8:15 बजे हवन होगा

गांव हालुवास स्थित साईं धाम श्रद्धा एवं भक्ति के रंग में सराबोर होने के लिए पूरी तरह तैयार है। 23 अप्रैल को मंदिर परिसर में श्रीसाईं बाबा मूर्ति स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। धार्मिक आयोजन को लेकर न केवल ग्रामवासियों बल्कि आस-पास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

धाम के सेवक संजय कामरा ने बताया कि साईं बाबा धर्मार्थ ट्रस्ट एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम का विवरण सांझा करते हुए बताया कि दिन की शुरुआत सुबह 6 बजे मंगल स्नान के साथ होगी। इसके पश्चात मंदिर की पवित्रता एवं सुख-समृद्धि की कामना के लिए सुबह 8:15 बजे हवन-यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। शाम के समय साईं भवन संध्या में भजन गायकों द्वारा साईं बाबा की महिमा का गुणगान किया जाएगा, जो शाम 5 बजे से शुरू होगी। कार्यक्रम का समापन रात्रि 8 बजे विशाल भंडारे के साथ होगा, जहां हजारों श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई है। कामरा ने बताया कि साईं बाबा की कृपा से हर साल की तरह इस बार भी मूर्ति स्थापना दिवस को एक उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है।

ध्रुव ने गोल्ड मेडल, पीयूष व दीपांशु ने कांस्य पदक जीते

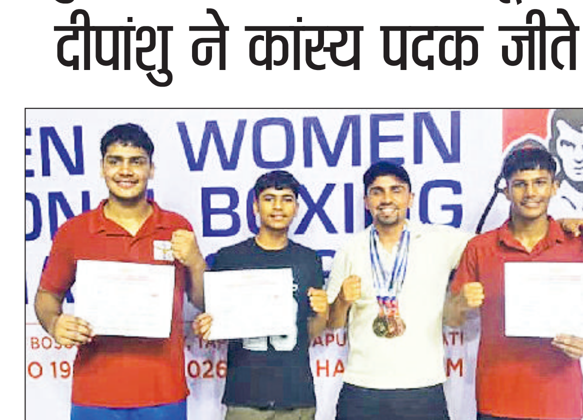

भिवानी। कोच के साथ पदक विजेता खिलाड़ी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- खेल प्रेमियों ने पदक विजेता खिलाड़ियों का किया स्वागत

आठवीं यूथ पुरुष नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मिनी क्यूबा बॉक्सिंग क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। यूथ नेशनल चैंपियनशिप गुवाहाटी (असम) में गत 13 से 19 अप्रैल तक हुई। खिलाड़ी ध्रुव ने 90 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर क्लब का नाम रोशन किया। वहीं पीयूष और दीपांशु ने 50 किग्रा भारवर्ग में कांस्य पदक हासिल किए। विजेता खिलाडियों ने यह पदक जीतकर क्लब का ही नहीं बल्कि अपने परिजनों का भी नाम रोशन किया है। कोच नीरज व सचिव अजीत फौजी ने खिलाड़ियोयं की उपलब्धि पर खुशी जताई और उन्हें बधाई दी।

उन्होंने कहा कि खिलाडिय़ों की मेहनत व लग्र की बदोलत ही आज वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। पदक विजेता खिलाड़ियों का क्लब में खेल प्रेमियों द्वारा फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कोच नीरज व सचिव अजीत फौजी ने कहा कि भिवानी के खिलाड़ियों ने समय-समय पर खेलों के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, जिसके चलते आज भिवानी को पूरे विश्व भर में मिनी क्यूबा व खेल नगरी के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि यूथ नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पीयूष व दीपांशु ने पदक जीतकर देश का नाम विश्वभर में ऊंचा करने का काम किया है। यही नहीं खिलाड़ियों की ये उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित करेंगे। इस उपलब्धि का श्रेय पदक विजेता खिलाड़ियों ने अपने पिता-माता व कोच को देते हुए कहा कि इन्हीं के उत्साहवर्धन की बदौलत ही वे इस मुकाम तक पहुंचे है।

वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय, घुसकानी में कार्यक्रम

मिट्टी में ढूंढे गणित के फार्मूले, गिली मिट्टी को शंकु-वर्ग व आयत की शेप दी

अध्यापिका लक्ष्मी ने बच्चों को खेल-खेल में सिखाए मिट्टी में छिपे गणित के फार्मूले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शिक्षा विभाग द्वारा संचालित क्लास रेडीनेस प्रोग्राम में सोमवार को वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय, घुसकानी के विद्यार्थियों ने जबरदस्त हुनर दिखाया। छात्राओं ने अध्यापिका लक्ष्मी देवी की देखरेख में गणित विषय के फार्मूले ढूंढे।

गिली मिट्टी से छात्राओं ने अधिकांश ज्यौमीट्रिक सवालों के फार्मूले निकाले। गिली मिट्टी से शंकू, आयताकार, गोलाकार, वर्गाकार शेप देकर छोटी बड़ी भुजाओं की जानकारी ली। हैरानी की बात यह है कि इस दौरान न तो बच्चे बोर हुए और न ही उक्त फार्मूले कठिन लगे। करीब दो घंटे तक स्कूल बच्चे रेडीनेस कार्यक्रम के तहत गिली मिट्टी में गणित के फार्मूले ढूंढते नजर आए। बाद में छात्राओं द्वारा बनाई गई मिट्टी की शेप को सूखने के लिए धूप में रख दिया। कार्यक्रम के दौरान गणित अध्यापिका लक्ष्मी देवी ने बच्चों को खेल-खेल में गणित सिखाते हुए मिट्टी में छिपे फार्मूलों को ढूंढने जैसी नवाचारी गतिविधियां करवाईं। वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय, घुसकानी में गणित विषय को रोचक और सरल बनाने के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार सहित स्टाफ सदस्य लक्ष्मी देवी, गुड्डी देवी, बबीता देवी आदि मौजूद रहे।

अतिरिक्त कक्षाएं लगाई जाएंगी

शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने बताया कि क्लास रेडीनेस प्रोग्राम बच्चों की शैक्षणिक नींव को मजबूत करता है। बल्कि शैक्षणिक नींव में पिलर का कार्य करता है। जिस तरह से पूरा मकान पिलरों पर खड़ा रहता है और दिवारों की कोई ज्यादा जरूरत नहीं होती। इसी तरह से शैक्षणिक नींव (रेडीनेस प्रोग्राम) ही सीखा ज्ञान के पिलर पर खड़ी रहेगी। कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं लगाई जाएंगी और अभिभावकों को समय-समय पर बच्चों की प्रगति से अवगत कराया जाएगा। इस पहल से बच्चों में पढ़ाई और परीक्षा का डर कम होता है।

हरिभूमि सहेली

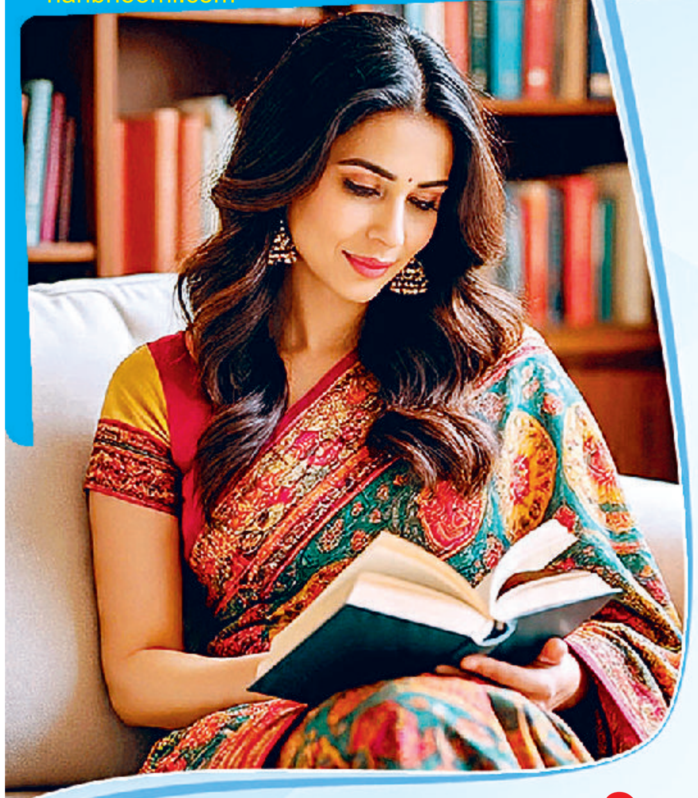

विशेष : विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

किताबें पढ़कर एक अलग ही आनंद मिलता है, सिर्फ आनंद ही नहीं मिलता एक अलग तरह की दृष्टि भी मिलती है। हम बहुत कुछ गहराई से देखने-समझने लगते हैं। किताबें अंतर्ज्ञान बढ़ाकर हमें जागरूक बनाती हैं। सशक्त बनने के लिए हर स्त्री का किताबें पढ़ना जरूरी है।

किताबें केवल आनंद ही नहीं एक अलग नजरिया भी देती हैं

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

किताबें केवल पढ़ने का ही सुख नहीं देतीं, देखने की दृष्टि भी बदल देती हैं। बदली हुई दृष्टि ही बदलते समय को गहराई से देख सकती है। एक ही काम, एक ही दिनचर्या, एक ही जीवन, किताबों के बिना भी चलता है, लेकिन किताबों के साथ वही जीवन समझ में आने लगता है, उसके भीतर छिपे अर्थ धीरे-धीरे समझ में आने लगते हैं। कहने का आशय यह है कि साहित्य मनुष्य को उसके भीतर के सत्य से परिचित कराता है।

पढ़ने से मिलती है नई दृष्टि

एक स्त्री, जो दिन भर घर के कामों में लगी रहती है जैसे रसोई, सफाई, बच्चों की देखभाल। वह इन सबको अपने कर्तव्य की तरह निभाती है। उसका दिन एक निश्चित ढर्रे में बीतता है, जिसमें उसके लिए ठहरने की जगह बहुत कम होती है। लेकिन उसे पढ़ने का अवसर मिले, तो संभव है कि वह इन्हीं कामों को एक अलग नजर से देखे। वह यह समझे कि उसका श्रम अदृश्य क्यों है, उसका समय उसका अपना क्यों नहीं है, और उसका मौन कब, कैसे उसकी आदत बन गया?

आप बनती हैं जागरूक

स्त्री को किताबें पढ़ने का समय जरूर निकालना चाहिए, क्योंकि किताबें उसे उसके काम से अलग नहीं करतीं, बल्कि उसी काम के भीतर एक नई जागरूकता भर देती हैं। किताबें स्त्री को यह नहीं सिखातीं कि क्या करना है, बल्कि यह समझने का साहस और बुद्धि देती हैं कि जो वह कर रही है, उसका क्या अर्थ है, क्या महत्व है? पढ़ना किसी निर्देश का पालन करना नहीं, अपने ही जीवन को नए प्रश्नों के साथ देखना है। यही वह बिंदु है, जहां पढ़ना, जीवन को केवल जीने से आगे बढ़ाकर उसे समझने की प्रक्रिया में बदल देता है।

समझ में आते हैं जीवन के नए अर्थ

स्त्री न तो घर की शोभा मात्र है, न वह भोग की वस्तु है। वह स्वयं एक संपूर्ण व्यक्तित्व है। यह समझ केवल बाहर से दी नहीं जाती, भीतर से जगती है और किताबें इस चेतना को संभव बनाती हैं। जब कोई स्त्री पढ़ती है, तो वह केवल दूसरों की कहानी नहीं पढ़ती, वह धीरे-धीरे अपने ही जीवन को पढ़ना शुरू करती है। उसे एहसास होने लगता है, उसकी थकान केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि एक साझा संरचना का हिस्सा है। उसका संघर्ष अकेला नहीं, अनेक स्त्रियों का साझा संघर्ष है। यहीं से स्त्री के भीतर एक सूक्ष्म परिवर्तन जन्म लेता है, जहां वह केवल पढ़ती नहीं, अपने ही जीवन को नए अर्थों में समझने लगती है। नारी के जीवन की करुणा केवल उसकी दुर्बलता नहीं, उसकी संवेदना की शक्ति भी है। जब यह समझ भीतर बैठती है, तो वह अपनी भावनाओं को बोझ नहीं, एक ऊर्जा के रूप में देखने लगती है।

जरूरी है पढ़े हुए को जीवन में उतारना

केवल किताबों तक पहुंचना पर्याप्त नहीं, दृष्टि तब सही मायने में बनती है, जब पढ़ा हुआ जीवन में उतरता है। कई बार शिक्षित स्त्रियों का जीवन भी पुराने ढर्रे पर चलता रहता है। इसका कारण केवल परिस्थितियां नहीं, वे मान्यताएं हैं जो भीतर गहरे बैठ जाती हैं। पढ़ा हुआ और जिया हुआ अलग-अलग रह जाते हैं। ऐसे में किताबें एक हलचल पैदा करती हैं। यही हलचल धीरे-धीरे भीतर एक धीमी, लेकिन स्थाई स्वतंत्रता को जन्म देती है। यह प्रक्रिया तेज नहीं होती। यह धीरे-धीरे, लगभग अनदेखे ढंग से घटित होती है। पहले केवल प्रश्न उठते हैं, फिर उन प्रश्नों के साथ जीने की आदत बनती है, और फिर एक दिन वही प्रश्न दृष्टि में बदल जाते हैं।

पढ़ना केवल एक क्रिया नहीं

यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि क्या स्त्री को पढ़ने की परिस्थितियां मिलती हैं? पढ़ना केवल अक्षरों को देखना नहीं, यह समय, एकांत और मानसिक अवकाश मांगता है। अनेक स्त्रियों का समय टुकड़ों में बंटा होता है। वे लगातार काम में लगी रहती हैं, उन्हें अपने लिए समय निकालना भी एक तरह का अपराधबोध बन जाता है। ऐसे में किताबें पास होकर भी दूर रह जाती हैं। इसलिए साक्षरता से आगे बढ़कर हमें उन सामाजिक संरचनाओं को देखना होगा, जो स्त्री को अपने लिए समय लेने से रोकती हैं। जब वह बिना अपराधबोध के अपने समय में ठहर पाती है, तभी पढ़ना संभव हो पाता है। पढ़ना केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व को महत्व देने का एक शांत निर्णय भी है।

किताबें भीतर एक रोशनी जलाती हैं

किताबें स्त्री के जीवन में कोई बाहरी बदलाव थोपती नहीं, वे भीतर एक धीमी रोशनी जलाती हैं। यह रोशनी उसे अपने ही अनुभवों को देखने, समझने और स्वीकारने की क्षमता देती है। हर स्त्री किताब तक पहुंचे, यह बहुत जरूरी है। पर उससे भी अधिक जरूरी है कि वह अपने जीवन को पढ़े। ज्ञान का

उद्देश्य केवल जानना नहीं, जागना है। जब यह जागरण होता है, तो जीवन वैसा ही रहते हुए भी बदल जाता है। किताब और स्त्री का संबंध बनने में परिवार का सहयोग बहुत जरूरी है। जब स्त्री पढ़ती है, तो वह केवल ग्रहण नहीं करती, वह भीतर ही भीतर रचने लगती है। कभी शब्दों में, कभी व्यवहार में, कभी अपने निर्णयों में। उसका जीवन धीरे-धीरे एक ऐसी कथा में बदलने लगता है, जिसे भले ही वह लिखे या न लिखे, पर वह एक अर्थपूर्ण संरचना ग्रहण कर लेती है। ❁

स्पेशल : अप्रैल-स्ट्रेस अवेयरनेस मंथ

अपने लिए भी बदलाव की धुरी बनें स्त्रियां

वर्कप्लेस और घर की जिम्मेदारियों के बीच महिलाओं के पास अपने लिए कोई समय ही नहीं बचता है। इससे वे अस्वस्थ हो जाती हैं। महिलाओं का परिवार के साथ अपना ध्यान रखना भी जरूरी है। वे अपने जीवन में एक संतुलन बैठाएं और स्वस्थ-सुखी जीवन जिएं।

जरूरी बात

डॉ. मोनिका शर्मा

घर और बाहर दोनों मोर्चों पर जूझने वाली स्त्रियां आसानी से तनाव के घेरे में आ ही जाती हैं। वर्कप्लेस और घर की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने की फिक्र और आपा-धापी महिलाओं को तनाव के स्याह घेरे में लिए रहती है। ऐसे में जीवन से जुड़ी भाग-दौड़ से तो दूरी नहीं बनाई जा सकती, लेकिन तनाव को समझना और इससे बचने के प्रयास बहुत जरूरी हैं।

आवश्यक है अवेयरनेस: हाल के वर्षों में तनाव के शिकार लोगों के आंकड़े तेजी से बढ़े हैं। हेल्थ और सेफ्टी एक्जीक्यूटिव के आंकड़ों के अनुसार 35-54 आयु वर्ग के बड़ों की देखभाल करने वाली, गृहिणी और कामकाजी भूमिका निभा रही महिलाएं पुरुषों की तुलना में काफी अधिक तनाव का अनुभव करती हैं। आंकड़े बताते हैं कि तनाव का अनुभव करने वाली महिलाओं की संख्या समान आयु के पुरुषों की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है। बावजूद इसके स्ट्रेस को लेकर जागरूकता का अभाव है। तनाव को स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या समझा ही नहीं जाता। इसके कारणों पर गौर नहीं किया जाता। तनाव के कारणों और इलाज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सन् 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है।

महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रही समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। साथ ही मित्रों, परिवारों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक और भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने की भी कोशिशें की जाती हैं।

अपनी देखभाल को दें प्राथमिकता: हमारा सामाजिक-पारिवारिक ढांचा ही ऐसा है कि महिलाएं खुद की देखभाल को कभी प्राथमिकता नहीं दे पातीं। इसके कारण घर-दफ्तर की भागम-भाग में लगी महिलाएं कई शारीरिक समस्याओं की गिरफ्त में आ जाती हैं। कमर दर्द, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, थायरॉइड जैसी व्याधियां आम हो चली हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट कहती है कि देश की आधी आबादी अपने खान-पान का ध्यान नहीं रखती है। 32 से 58 वर्ष की महिलाओं के बीच हुए इस सर्वे के अनुसार 83 प्रतिशत महिलाएं किसी तरह का व्यायाम नहीं करतीं और 57 फीसदी महिलाएं खाने में फल-सब्जी का कम उपयोग करती हैं। आराम करने, किसी बात के लिए न कहने और सहजता से जीने के मामले में भी महिलाएं जरा पीछे ही हैं। वहीं एक्सरसाइज से दूरी खान-पान में लापरवाही, शरीर और मन दोनों की सेहत बिगाड़ती है। ऐसी सभी बातें तनाव की भी जड़ हैं। ऐसे में अपनी देखभाल करते हुए स्ट्रेस से जूझने के मोर्चे पर महिलाएं स्वयं अपना हाथ थामें।

स्वयं को संभालें: घर-परिवार और वर्कप्लेस दोनों ही जगहों पर परफेक्शन की उम्मीद, महिलाओं के लिए कितनी ही तनाव की वजह बनती हैं। बढ़ती उम्र और जिम्मेदारियों के साथ ऐसी उलझनें भावनात्मक बिखराव भी लाती हैं। इन तनाव भरी परिस्थितियों को जीते हुए बहुत-सी स्त्रियां अवसाद के स्याह अंधेरे में खो जाती हैं, जिससे नींद न आना, बात-बात पर गुस्सा आना, चिड़चिड़ापन, याददाश्त में कमी जैसी परेशानियां भी पैदा होती हैं। 2026 के ग्लोबल स्लीप सर्वे में सामने आया है कि फैमिली ड्यूटीज के कारण 39 प्रतिशत महिलाओं की नींद खराब होती है। कई महिलाएं 4 घंटे की गहरी नींद के लिए भी संघर्ष करती हैं। ग्लोबल स्लीप सर्वे के मुताबिक भारत में महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक अनिद्रा से जूझ रही हैं। ऐसे में स्ट्रेस देने वाली नकारात्मक भावनाओं और परिस्थितियों से बचने के लिए जिंदादिली के साथ हर हालात को जीने का जज्बा लाएं। तनाव के घेरे में आने पर अकेले जूझने के बजाय अपनों से बात करना और पेशेवर सलाह लेना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे कि यह तभी संभव है, जब स्त्रियां स्वयं अपने मन को संभालने को लेकर सजग होंगी। ❁

विकास के नाम पर आज जिस तरह प्राकृतिक दोहन हो रहा है, यह एक बड़ी चिंता का विषय है। समय रहते हम न चेते तो पृथ्वी का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। इसलिए बहुत जरूरी है, हम अपनी प्राकृतिक संपदा बचाएं, धरा हरी-भरी रहे। महिलाएं इस काम में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं।

सरोकारी सोच से रहेगी धरा हरी-भरी

सजगता

चैतन्या

पृथ्वी और स्त्री दोनों ही जीवन का आधार हैं। सृजन और पोषण का भाव दोनों के ही हिस्से आया है। इतना ही नहीं, धरा के समान ही महिलाएं भी बहुत सहनशील होती हैं। मां धरती अन्न, जल, वायु और सुरक्षा देकर जीवन सहेजती है। ठीक इसी तरह स्त्रियां भी रिश्तों-नातों को सींचती हैं। यही वजह है कि मदर अर्थ की रक्षा में महिलाओं की भागीदारी बहुत अहम हो जाती है। स्त्रियों में बचाने, सहेजने की एक नेचुरल समझ होती है। आज ही नहीं आने वाले कल को लेकर वे सजग रहती हैं। समझना जरूरी है कि धरती के रंग बचाने के लिए भी वर्तमान की सजगता ही आने वाले कल को सहेज सकती है। हमारी पोषक मां, धरती मां ही हमारी शक्ति है। इंसानी जीवन पृथ्वी के आंगन में ही पलता है। इसीलिए ऊर्जा के नए स्रोत तलाशने से लेकर जीवनशैली से जुड़े बदलावों तक, हर फ्रंट पर सही कवायद किए बिना भूमि के रंग सहेजना मुश्किल है।

इस साल की थीम 'अवर पॉवर-अवर प्लेनेट': पृथ्वी दिवस 2026 की थीम 'अवर पॉवर-अवर प्लेनेट' है। 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' विषय रिन्यूएबल एनर्जी पर फोकस करता है। दो साल के लिए चुने गए इस विषय के तहत पिछले साल भी यह संदेश दिया गया था कि इस ग्रह पर बसने वाले ही इसको बचाने की शक्ति रखते हैं। साझी कोशिशें और सजगता ही पृथ्वी को एक स्वस्थ ग्रह बना सकते हैं। इन साझे प्रयासों को बल देने में स्त्रियों का रोल महत्वपूर्ण है। घर से लेकर परिवेश तक, महिलाएं अवेयरनेस लाने और बेरंग-शुष्क कुदरत को सार-संभाल के भावों की नमी लौटाने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को साथ ला सकती हैं। ऐसे में परिवार से हुई शुरुआत परिवेश तक बड़ा बदलाव ला सकती है।

अनदेखी का दंश: आखिर मां धरती की बिगड़ती सेहत को लेकर हम कब चेतेंगे? इंसानों को सशक्त बनाने वाले इस प्लेनेट की दूषित होती आबोहवा की सुध कब लेंगे? उजड़ती धरती और प्रदूषित होते हवा-पानी की चेतावनी के बावजूद हम भविष्य की चिंताओं से मुंह फेरे बैठे हैं। धरती मां अपने स्वार्थी बच्चों की हर ज्यादती सह रही है। जबकि धरती के रंग छीनने का मतलब इंसान द्वारा अपनी ही जिंदगी को बेरंग करने जैसा है। याद रहे कि जिस धरा के आंचल में हमें सब कुछ मिलता है, उसकी बेहतरी से ही मानवीय जीवन की बेहतरी भी जुड़ी है। पेड़-पौधों के बिना कुदरत का सूना आंगन और तेज रफ्तार तरक्की के नाम पर अशुद्ध होते जल-थल, वायु के साथ ही दूसरे जीव-जंतुओं की मौजूदगी के बिना इंसानों का जीवन भी कितना अधूरा-सा होगा। कहावत भी है कि 'धरा नहीं होगी तो सब धरा रह जाएगा।' प्रकृति पूजन की रीत वाले भारतीय समाज में धरती के दोहन की मानसिकता सचमुच दुःखद है। हमारे यहां तो पौराणिक और सांस्कृतिक रूप से भी पृथ्वी को देवी माना गया है। कितने ही पर्वों पर पृथ्वी और प्रकृति को ही पूजा जाता है। ऐसे में धरती की बिगड़ती आबोहवा की अनदेखी का दंश खुद इंसानों के लिए भी घातक ही है।

जरूरतों पर भारी इच्छाएं: तकलीफदेह है कि धरती मां के बच्चे अपनी आवश्यकताएं पूरी करने की बजाय धरा की झोली ही खाली करने लगे हैं। अपनी चाहतों के फेर में पृथ्वी की गोद सूनी करने का दुस्साहस करने लगे हैं। संसाधनों का सीमित इस्तेमाल करने के बजाय सुविधाजनक जीवनशैली से जुड़ी अंतहीन फेहरिस्त को पूरा करने के लिए कुदरत के हर हिस्से को चोट पहुंचाने लगे हैं। प्रकृति से सिर्फ अधिक से अधिक लेने-जुटाने की सोच रखने वाला इंसान लौटाने का भाव ही भुला चुका है। ऐसे में आवश्यकताओं और इच्छाओं का फर्क समझना जरूरी है। ❁

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

क्लीनिंग करें ऐसे फेस दिखेगा ग्लोइंग

आमतौर पर फेस वॉशिंग को स्किन केयर का सबसे ईजी स्टेप माना जाता है। साफ-सुथरी और ग्लोइंग स्किन पाने की चाहत में अधिकतर महिलाएं दिन में कई बार चेहरा धोती हैं। सही तरीके से चेहरा धोने से त्वचा ताजा, साफ और स्वस्थ दिखती है। लेकिन लगभग 80 प्रतिशत महिलाएं चेहरा धोने में गलतियां करती हैं। यही वजह है कि कई बार चेहरा धोने के बावजूद उनकी त्वचा ग्लोलेस, डल और बेजान-सी दिखती हैं, जिसकी वजह से वे टेंशन में रहती हैं।

फेस वॉशिंग करें ऐसे: चेहरा धोते समय की गई कुछ गलतियों की वजह से हमारी त्वचा को फायदे की बजाय नुकसान पहुंचता है और ज्यादातर महिलाएं ये गलतियां अनजाने में कर बैठती हैं।

पहले हाथ करें साफ: चेहरा धोने से पहले अपने हाथों को साबुन से जरूर साफ कर लें। गंदे हाथों से चेहरा धोने से गंदगी चेहरे पर फैल सकती है, जिससे चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं और कील, मुंहासे निकल आते हैं। इससे त्वचा संबंधी अनेक समस्याएं हो सकती हैं।

चुनें सही फेस वॉश: चेहरे को धोने के लिए ज्यादा फेस वॉश का उपयोग नुकसान पहुंचा सकता है। ज्यादा फेस वॉश लगाने से त्वचा का नेचुरल ऑयल खत्म हो जाता है और त्वचा रूखी-रूखी लगने लगती है। चेहरा धोने के लिए मटर के दाने के बराबर फेस वॉश काफी होता है। इसे अपनी हथेली पर डाल कर आपस में रगड़कर झाग बनाएं और साफ अंगुलियों की मदद से गीले चेहरे पर समान रूप से लगाएं। इसे आहिस्ता से गोलाकार गति में लगाएं क्योंकि इसके जोर से रगड़ने से त्वचा में घाव हो सकते हैं। इसके बाद इसे गुनगुने पानी से धो डालें। फेस वॉश का चयन करते समय अपनी स्किन टाइप का ध्यान रखें, क्योंकि गलत फेस वॉश इस्तेमाल करने से नुकसान हो सकता है। ड्राय स्किन के लिए क्रीम आधारित फेस वॉश और सेंसिटिव स्किन के लिए माइल्ड क्लींजर उपयोग करना चाहिए।

गुनगुना पानी है बेस्ट: गरम पानी से चेहरा धोने से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है। इससे बचने के लिए त्वचा ज्यादा तेल स्रावित करने लगती है जोकि कील-मुंहासों का कारण बनता है। अगर आप ठंडे पानी से चेहरा धोती हैं तो स्किन पोर्स सिकुड़ जाते हैं, जिससे चेहरा सही तरह से साफ नहीं हो पाता है। अगर आप कील मुंहासों से परेशान हैं तो ठंडे पानी से मुंह धोने से परेशानी बढ़ सकती है, क्योंकि ठंडा पानी त्वचा की सूजन जरूर कम करता है। लेकिन मुंहासों से होने वाली सूजन को कम नहीं कर सकता। इसलिए चेहरा धोने के लिए हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें और चेहरा रगड़ने की बजाय थपथपाकर सुखाएं। गुनगुना पानी रोमछिद्रों को खोलकर चेहरे से तेल और गंदगी को पूरी तरह हटा देता है और चेहरे का प्राकृतिक तेल और नमी भी बनाए रखता है।

बार-बार न करें फेस क्लीन: चेहरे को सुबह और शाम दो बार धोना बेहतर होता है। सुबह चेहरा धोने से रात की गंदगी और ऑयल क्लीन हो जाता है जबकि शाम को चेहरा धोने से दिन भर की धूल, मिट्टी और प्रदूषण हट जाता है। इससे अधिक यानी दिन में बार-बार चेहरा धोना त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे आपकी त्वचा रूखी और खिंची-खिंची सी लगती है क्योंकि बार-बार चेहरा धोने से चेहरे की त्वचा में मौजूद प्राकृतिक तेल और नमी गायब हो जाती हैं जिससे चेहरे की सुरक्षा परत कमजोर हो जाती है। ❁

हेल्दी रहने के लिए आपको यह समझना भी जरूरी है कि शरीर को प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फैट के अलावा किन पोषक तत्वों की भी विशेष तौर पर जरूरत होती है? इस बारे में दे रहे हैं, आपके लिए बहुत यूजफुल सजेशंस।

न्यूट्रिएंट्स से भरपूर हो आपकी डाइट

डाइट सजेशन

राजकुमार 'दिनकर'

हमेशा हेल्दी और एनर्जेटिक रहने के लिए हमारे खाने की आदतें सही होना जरूरी है। बैलेंस्ड डाइट के लिए आप अपने भोजन को मुख्य रूप से तीन वर्ग में विभाजित कर सकते हैं। ऊर्जा देने वाला भोजन, शरीर को मजबूत बनाने वाला भोजन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाला भोजन। यहां हम आपको इसी आधार पर प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फैट के अलावा डाइट में शामिल किए जाने वाले जरूरी न्यूट्रिएंट्स के बारे में बता रहे हैं।

फाइबर: घुलनशील फाइबर वाले खाद्य जैसे-ओट्स, मटर, बींस, सेब, रसेदार फल, गाजर और जौ शरीर में कोलेस्ट्रॉल बनने से रोकते हैं और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाते हैं। अघुलनशील फाइबर जैसे गेहूं, चोकर, नट्स, बींस, टमाटर, फूलगोभी आदि में मौजूद फाइबर, पाचन को दुरुस्त रखता है।

मिनरल्स: शरीर में पर्याप्त कैल्शियम की मौजूदगी का मतलब है मजबूत दांत और हड्डियां। इससे शरीर में मांसपेशियों की अच्छी वृद्धि होती है और हार्ट भी हेल्दी रहता है। कैल्शियम के लिए आपको दूध और दुग्ध उत्पादों के अलावा पालक, सफेद बींस, ब्रोकली और लाल बींस खाने चाहिए।

आयोडीन मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और थाइरॉयड से होने वाले बुरे प्रभावों से हमारे शरीर की रक्षा करता है। इसे आप नमक, मछली, बटर और गहरे रंग की हरी सब्जियों से हासिल कर सकते हैं।

जिंक मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के बीच बैलेंस बनाता है। इसके लिए काजू, बादाम, मटर, अंडे, अदरक को अपने भोजन में जरूर शामिल करना चाहिए।

एंजाइम्स रिच फूड: कच्चे फलों में मौजूद एंजाइम्स पाचन क्रिया दुरुस्त करते हैं। खरबूजा, कोकोनट वाटर, फ्रूट सलाद, बटर मिल्क, कच्चे बादाम, सूशी जैसे खाद्य पदार्थ शरीर में एंजाइम्स के लिए हेल्पफुल होते हैं।

एल्केलाइन फूड: एल्केलाइन फूड्स इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। इसके लिए ब्रोकली, बंदगोभी, फूलगोभी, स्प्राउट्स, सेलरी, शलगम और पालक खाएं। नीबू सबसे अच्छा एल्केलाइन फूड माना जाता है, जो एसिडिटी, कफ, कोल्ड, फ्लू और हर्ट बर्न से बचाता है।

पानी: अपने शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स में संतुलन के लिए प्रतिदिन 10 से 12 गिलास पानी पीना चाहिए। यह शरीर के जोड़ों के लिए लुबरीकेंट बढ़ाने में मदद करता है। पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और आंखों की नमी बरकरार रखता है। इससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालता है। इसलिए प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ और शुद्ध पानी पीना चाहिए। ❁

टोल लगाने को लेकर लोगों में रोष, महापंचायत में जुटेगी भारी भीड़

मोर्चा ने महापंचायत को लेकर चलाया जन सम्पर्क अभियान

अभी तक नए बाइपास का कार्य पूरा नहीं हुआ, लेकिन बवानीखेड़ा में टोल प्लाजा स्थापित करके टोल वसूलना आरंभ कर दिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। महापंचायत को लेकर जनसम्पर्क अभियान चलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

बवानीखेड़ा में टोल फ्री करवाने की मांग को लेकर 26 अप्रैल को होने वाली महापंचायत में बेथाह भीड़ पहुंचेगी। चूंकि लोगों में टोल लगाने को लेकर जबरदस्त रोष व्याप्त है। लोगों का तर्क है कि अन्य टोल प्लाजा पर 15 किलोमीटर तक के दायरे में वाहन चालकों को टोल नहीं लगता,लेकिन बवानीखेड़ा के आसपास के इलाकों के सभी वाहन चालकों से टोल वसूला जा रहा है। लोगों में रोष व्याप्त है। 26 अप्रैल को होने वाली महापंचायत की सफलता को लेकर सोमवार को हरियाणा जागृति मोर्चा के सदस्यों ने गांव पुर में जनसम्पर्क अभियान चलाया। लोगों को महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का न्यौता दिया। उन्होंने कहा कि अभी तक नए बाईपास का कार्य पूरा नहीं हुआ,लेकिन बवानीखेड़ा में टोल प्लाजा स्थापित करके टोल वसूलना आरंभ कर दिया। जो कि सरासर गलत है। कायदे से बवानीखेड़ा व आसपास के करीब 15 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों के वाहनों का भी टोल टैक्स नहीं लगना चाहिए। जिनमें कॉमिर्शियल व निजी वाहन शामिल है। इस दायरे में करीब 20 गांव आते है। सभी उक्त गांवों के लोगों से वाहनों का टोल वसूलना निहायत ही गलत है। इन सभी गांवों का टोल माफ कराए जाने की मांग को लेकर वे 26 अप्रैल को टोल पर एक महापंचायत का आयोजन करेंगे और एनएचआई व टोल कम्पनी से टोल फ्री करवाए जाने की मांग करेंगे। हरियाणा जागृति मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिंधू व सरक्षंक रामकिशन काजल ने संयुक्त रूप से बताया कि उक्त महापंचायत के लिए उपायुक्त, सीटीएम, एसडीएम, बवानीखेड़ा तहसीलदार को भी ज्ञापन सौंपा जा चुका है। उनको भी उक्त महापंचायत में बुलाया जाएगा और उनसे टोल फ्री करवाए जाने की गुहार लगाई जाएगी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर ग्रनेट, मुकेश शर्मा, प्रकाश यादव, मुकेश कुमार, सलीम खान, अजय शर्मा, रामौतार आदि मौजूद थे।

दूषित पेयजल से संबंधित समस्याओं का शीघ्र समाधान करें अधिकारी: डीडीपीओ

मौसम में किसी भी नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े

- वर्ष 2024 से लंबित शिकायतों की न्यू एटीआर में पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में डीडीपीओ सोमबीर कादयान की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। डीडीपीओ कादयान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए, ताकि गर्मी के मौसम में किसी भी नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने वर्ष 2024 से लंबित शिकायतों की न्यू एटीआर में पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिए।

डीडीपीओ के समक्ष पूर्व पार्षद ईश्वर मान सिंह ने चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल के गेट पर चौ. बंसीलाल की फोटो लगवाने, स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं पर राजनीतिक पोस्टर लगाए जाने और नगर परिषद द्वारा लोहे के कबाड़ की नीलामी करवाने बारे, गैर सरकारी सदस्य सुनील वर्मा नम्बरदार ने निजी अस्पतालों के बाहर मेडिकल कचरे के उचित निस्तारण, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन ज्ञानचंद्र गुलाटी व रामगोपाल सैनी ने बवानी खेड़ा में दूषित पेयजल की समस्या, भूपाल सिंह ने दिनोद रोड़ से अवैध कब्जे हटवाने, सुंदर सिंह व अनीता ने पेयजल समस्या, सुनीता ने घरेलू हिंसा से संबंधित, सुनील कुमार ने एफसीआई गोदाम के पीछे खराब सडक्र की मरम्मत और अवैध स्पीड ब्रेकर हटवाने, रणवीर ने दीनदयाल उपाध्याय योजना का लाभ दिलवाने, राजकुमार ने जमीन की जमाबंदी करवाने, सुरेश कुमार सैनी ने सीवरेज की गंदगी उठवाने और पानी के टैंकर उपलब्ध करवाने बारे शिकायत रखी।

इसी प्रकार से भल्ली देवी ने मकान से अवैध कब्जा हटवाने, अर्जुन सिंह ने खेत से टावर हटवाने, पार्षद अनिल कुमार ने सीवरेज डिस्पोजल स्थल पर कर्मचारियों के लिए शौचालय सुविधा और बुर्जुग महिला की बेसहारा पेंशन बनवाने व योगेश कौशिक ने अपने पिता का डिजिटल मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने तथा राकेश, आशा, मीनू, रेखा, शीशपाल व पालुवास निवासी प्रिया ने फैमिली आईडी में त्रुटि दूर करवाने की शिकायत डीडीपीओ के समक्ष रखी। डीडीपीओ ने सभी समस्याओं को गौर से सुना और संबंधित अधिकारी को इनके निदान के लिए जरूरी निर्देश दिए।

ये रहे मौजूद

इस दौरान डीएसपी अनूप कुमार, टीएम भरतपाल, एमई सुरेन्द्र कुमार, डिप्टी एलडीएम राजवंती सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के अलावा सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन अजीत शेखावत और जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य रामकिशन हलवासिया, नंदराम धानिया, केके ग्रोवर और नरेंद्र ग्रेवाल मौजूद रहे।

केसर देवी का जीवन त्याग, सेवा और राष्ट्रभक्ति की अमिट मिसाल : प्रदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

क्षेत्र के गांव खरकड़ी माखवान की वरिष्ठ एवं सम्मानित महिला केसर देवी का 110 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। वे द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिक सुबेदार महाबीर सिंह की धर्मपत्नी थीं और अपने जीवनकाल में सादगी, सेवा और सामाजिक समर्पण की मिसाल रहीं। केसर देवी का जीवन संघर्ष, त्याग और प्रेरणा का प्रतीक रहा। उन्होंने अपने पति के बलिदान के बाद पूरे परिवार को मजबूती से संभाला और समाज में एक आदर्श महिला के रूप में पहचान बनाई। वे पर्यावरण संरक्षण के प्रति विशेष रूप से जागरूक थीं और अपने गांव में पेड़-पौधों की रक्षा एवं स्वच्छता के लिए लोगों को प्रेरित करती रहती थीं। उनके प्रयासों से कई लोगों ने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को समझा और अपनाया। सामाजिक प्रवृत्ति की धनी केसर देवी हमेशा गांव के लोगों के सुख-दुख में सहभागी रहती थीं। वे हर वर्ग के लोगों के बीच सम्मानित थीं और उनकी सादगी व मधुर व्यवहार के कारण सभी उन्हें बेहद आदर की दृष्टि से देखते थे।

जिले में 1 लाख 35 हजार बच्चों को दी जाएगी एलबेंडाजोल की गोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के हाल में राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस और एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। उपायुक्त ने बताया कि 21 अप्रैल को राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस अभियान चलाया जाएगा। जिला में एक साल से 19 साल तक के 1 लाख 35 हजार बच्चों को पेट के कीड़े मारने वाली एलबेंडाजोल की गोली देने का लक्ष्य रखा गया है।

उपायुक्त ने महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने माध्यम से जागरूकता अभियान चलाकर कर लोगों को जागरूक करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि दवा वितरण की समुचित व्यवस्था, बच्चों की अधिकतम भागीदारी तथा अभिभावकों को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि जो बच्चे 21 अप्रैल को दवा लेने से किसी कारणवश वंचित रह जाते हैं तो उनके लिए पांच मई को मॉप-अप डे आयोजित किया जाएगा और उस दिन उनको गोली दी जाएगी।

बवानीखेड़ा हुडा कॉलोनी में कांग्रेस घास का साया, लोग बोले- खतरे की घंटी

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा की हुडा कॉलोनी में इन दिनों कांग्रेस घास तेजी से फैल रही है, जिससे कॉलोनी वासियों में चिंता का माहौल बना हुआ है। गलियों, खाली प्लॉटों और सड़कों के किनारों पर उगी कांग्रेस घास अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह घास उनके लिए खतरे की घंटी साबित हो सकती है, क्योंकि इससे कई तरह की बीमारियां फैलने का डर बना रहता है। कॉलोनी वासियों में सज्जन, रमन, राजेश, संदीप, ललित, सत्यवान, कृष्ण, मनोज आदि ने बताया कि कांग्रेस घास से एलर्जी, त्वचा रोग, सांस संबंधी दिक्कतें और बुखार जैसी समस्याएं होने की आशंका रहती है। खासकर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह अधिक खतरनाक साबित हो सकती है। लोगों का कहना है कि कई बार प्रशासन को इस बारे में अवगत करवाया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बरसात और गर्मी के मौसम में यह घास तेजी से बढ़ती है और पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लेती है।

रेडक्रॉस भवन में शिविर में 37 स्वयंसेवकों ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

उपायुक्त एवं रैडक्रॉस अध्यक्ष साहिल गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में सोमवार को चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल के रक्तकोष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जो भारतीय रेडक्रॉस की आजीवन सदस्या डॉ. अन्नू बल्हारा के सहयोग से हुआ। शिविर ने आपातकाल में रक्त की कमी को दूर करने का प्रभावी संदेश दिया। शिविर का शुभारंभ सचिव रेडक्रॉस प्रदीप कुमार ने किया। उन्होंने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और रक्तदान करने आए युवाओं का उत्साहवर्धन किया। शिविर के दौरान स्वास्थ्य नियमों का पूर्णतः पालन किया और 37 स्वयंसेवकों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को रेडक्रॉस की ओर से बैज लगाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। रैडक्रॉस सचिव प्रदीप कुमार ने आपातकालीन स्थितियों में रक्त की महत्ता पर विशेष जोर दिया।

समाजसेवी जयप्रकाश ने राजकीय स्कूल को भेंट किया वाटर कूलर

भिवानी। भीषण गर्मी के मौसम में समाजसेवा की अनूठी और प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। ऑनरेरी कैप्टन जयभगवान मन्देरणा के सुपुत्र समाजसेवी जयप्रकाश मन्देरणा ने शिक्षा एवं जनसेवा के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए गांव सांगा स्थित राजकीय वमा विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की है। सोमवार को उन्होंने विद्यालय को 150 लीटर क्षमता का वाटर कूलर (आरओ सिस्टम सहित) भेंट कर मानवता की एक सच्ची मिसाल पेश की। आनंद चेतन एंड अतुल प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर समाजसेवी जयप्रकाश मन्देरणा ने इस सेवा कार्य को अंजाम दिया। कार्यक्रम में प्राचार्य दीपक कुमार और समस्त स्टाफ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मन्देरणा परिवार द्वारा उठाए कदम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्कूल परिसर में ही शुद्ध और शीतल पेयजल उपलब्ध करवाना है, ताकि चिलचिलाती गर्मी में बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो।

समस्याओं का जल्द समाधान करें: डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा निर्देश अनुसार उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल की अध्यक्षता में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित हाल में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर निर्धारित समय सीमा में उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से सीवरेज, पेयजल, अतिक्रमण व अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निपटान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की हरियाणा सरकार का उद्देश्य एक ही छत के नीचे नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है। ताकि नागरिकों को अन्य दफ्तरों के अनावश्यक चक्कर न काटने पड़े। समाधान शिविरों के दौरान जिला के सभी विभागों के आला अधिकारी मौजूद रहते हैं और मौके पर ही उनकी समस्याओं के समाधान की कोशिश की जाती है।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की चेयरपर्सन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. गगनदीप कौर सिंह के दिशा-निर्देशों तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संजीव काजला के मार्गदर्शन में गांव कादमा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक प्रभावी कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता रेनू सांगवान एवं अधिकार रक्षक रोहतास शर्मा ने विद्यार्थियों को बाल विवाह निषेध अधिनियम 2025 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। रेनू सांगवान एवं रोहताश शर्मा ने बाल विवाह जैसी कुरीतियों को समाप्त करने पर जोर दिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 9 मई को

चरखी दादरी। जिला एवं सत्र न्यायधीश एवं प्राधिकरण की चेयरपर्सन डॉ गगनदीप कौर सिंह तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संजीव काजला के मार्गदर्शन में हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशअनुसार 9 मई जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम संजीव काजला जी ने बताया न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौंदर्य पूर्ण माध्यम से निपटाए जाएंगे।

मांग शहर की अव्यवस्थाओं पर ईश्वर सिंह मान ने उठाए सवाल

महापुरुषों के प्रतिमा स्थलों पर पोस्टर व बैनर लगाने पर लगे रोक

- कबाड़ की छंटाई करवाकर तुरंत नीलामी करवाई जाए, प्राप्त आय का उपयोग उसी स्थान पर शेड बनाने के लिए किया जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह मान ने एक बार फिर जनहित के मुद्दों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर सक्रियता दिखाई है। भिवानी में आयोजित समाधान शिविर के दौरान सोमवार को मान ने उपायुक्त को तीन अलग-अलग पत्र सौंपकर शहर की गरिमा, ऐतिहासिक विरासत और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं को सुधारने की पुरजोर मांग की है। मान ने अपने पहले पत्र में महापुरुषों और शहीदों के सम्मान का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि शहर के चौकों और चौबतरों पर देश के शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों, समाज सुधारकों की भव्य मूर्तियां स्थापित हैं। लेकिन अक्सर राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन अपने प्रचार-प्रसार के लिए इन प्रतिमाओं पर पोस्टर चिपका देते हैं। मान ने कहा कि पोस्टर लगाते और उतारते समय प्रतिमाओं की सुंदरता को भी ठेस पहुंचती है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि महापुरुषों के स्मारकों व चौक चौराहों पर पोस्टर व बैनर लगाना पूरी तरह बैन किया जाए और आदेशों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने मांग की कि इस कबाड़ की छंटाई करवाकर तुरंत नीलामी करवाई जाए, नीलामी से प्राप्त आय का उपयोग उसी स्थान पर शेड बनाने के लिए किया जाए।

भिवानी। नगर परिषद कार्यालय परिसर में पड़ा लोहे का कबाड़। फोटो : हरिभूमि

इससे नगर परिषद की जेसीबी, ट्रैक्टर और अन्य मशीनें जो फिलहाल मुख्य गेट पर खड़ी रहती हैं, उन्हें सुरक्षित अंदर खड़ा किया जा सकेगा। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि मशीनों के बाहर खड़े रहने से रेलवे स्टेशन, सैनिक बोर्ड रोड और तोशाम रोड पर जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं कबाड़ हटाकर शेड बनाया जाए, तो शहर के लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी और कर्मचारियों के वाहनों के लिए भी जगह उपलब्ध होगी और काफी राहत मिलेगी।

चौ. बंसीलाल की फोटो लगाने की मांग

एक अन्य पत्र में पूर्व जिला पार्षद ने भिवानी के नागरिक अस्पताल के गेट पर पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल की फोटो लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिस महापुरुष ने अस्पताल की स्थापना के लिए कड़ा संघर्ष किया, उन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने मांग की कि अस्पताल के दोनों गेटों पर चौधरी बंसीलाल की फोटो लगाई जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके योगदान को याद रखें। मान ने नगर परिषद कार्यालय में वर्षों से पड़े लोहे के कबाड़ का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि तोशाम रोड स्थित दफ्तर के अंदर भारी मात्रा में लोहा, हाथ रेहड़ी व रिक्शा का कबाड़ पड़ा है, जिसने काफी जगह घेरी हुई है।

खबर संक्षेप

चांग के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पोषण संबंधित जानकारी दी

भिवानी। गांव चांग में सुपरवाइजर पूजा मैडम द्वारा पोषण पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूजा मैडम द्वारा स्कूल के बच्चों को पोषण संबंधी जानकारी विस्तार से दी गई व रोजाना खाने में पोशाक तत्व को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने बताया की संतुलित आहार लेने से शारीरिक व मानसिक विकास होता है जो स्वस्थ शरीर के लिए बहुत आवश्यक है। आंगनवाड़ी वर्कर रीता ने बताया की बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अपने खाने-पीने का विशेष ध्यान रखना जरूरी है, तभी हम खेलकूद वह अन्य गतिविधियों में अपना उत्कृष्ट परिणाम दे सकते हैं। पोषण पखवाड़ा थीम के अंतर्गत दी गई सभी जानकारीयो को बच्चों ने ध्यान से सुना और आश्वासन दिया की आज दी गई सभी जानकारीयो का अनुसरण करेंगे ।

जाटू लोहारी में महिलाओं को पोषण के बारे में दी जानकारी

भिवानी। गुरुवार को गांव जाती लोहारी में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण सप्ताह कार्यक्रम के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं व किशोरियों को बेहतरीन पोषण के बारे में जानकारी दी।वक्ताओं ने बताया कि अनाज के साथ साथ ज्यादा ज्यादा हरी सब्जी खाए। इनमें पत्तेदार सब्जियां सेहत के लिए सबसे बेहतरीन है। क्योंकि पत्तेदार हरी सब्जी खाने से खून की मात्रा बढ़ती है। साथ ही शरीर की खून से संबंधित अन्य तत्वों की भी पूर्ति करती है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अल सुबह सैर करे। इससे मन शांति मिलती है। बाद में वहां पर मौजूद सभी महिलाओं का मुंह मीठा भी करवाया। इस मौके पर नीलम, ममता, निर्मला, डिम्पल, सरोज, वीरेंद्र, बबीता, पूनम, ललिता, सुमन, सुदेश, उर्मिला, बिमला, इंद्रा, संतरा, कविता, ज्योति, अनीता के अलावा अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

विधायक सांगवान ने आधा दर्जन गोशालाओं को 29 लाख से अधिक की अनुदान राशि दी

दादरी। विधानसभा क्षेत्र की 6 गोशालाओं को प्रदेश सरकार की ओर से बड़ी राहत देते हुए कुल 29 लाख 71 हजार 640 रुपये की अनुदान राशि जारी की गई। सोमवार को विधायक सुनील सांगवान ने गोशाला प्रबंधन समितियों को चेक वितरित किए और सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। विधायक सुनील सांगवान ने बताया कि श्रीकृष्ण गोशाला फोगाट को 4 लाख 83 रुपये, श्री यदुवंशी पीड़ित पशु सेवा गोशाला भागेश्वरी को 2हजार 35 हजार रुपये और बाबा हरिदास गोशाला रानीला को 7 लाख 64 रुपये दिए गए हैं। श्रीकृष्ण गोशाला घिकाड़ा को 3लाख 79 रुपये, श्री केशव गोशाला अचीना को 5 लाख 98 हजार रुपये, बाबा न्यारमदास गोशाला लांबा को 5 लाख 9 रुपये की राशि जारी की गई है। इस अवसर पर विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि प्रदेश सरकार गोसेवा और गोशालाओं के सुदृढ़ संचालन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बढ़ती महंगाई के चलते गोशालाओं के सामने चारे और रखरखाव को लेकर आर्थिक संकट खड़ा हो गया था, जिसे देखते हुए यह अनुदान जारी किया गया है। गोशालाएं बेसहारा पशुओं के संरक्षण के साथ-साथ समाज में सेवा और संस्कार का संदेश भी देती हैं।

आदर्श गांव सुई में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर विचार संगोष्ठी

भिवानी। आदर्श गांव सुई में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया। श्रीसंकट मोचन धाम के अध्यक्ष डॉ. उमेद शर्मा की उपस्थिति में विशेष धार्मिक अनुष्ठान और विचार गोष्ठी का आयोजन किया, जहां ग्रामीणों ने भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया। शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम विष्णु के छठे अवतार हैं, जिन्होंने इस धरा पर धर्म की स्थापना के लिए अत्याचार करने वालों का विनाश किया। उन्होंने 21 बार पृथ्वी को पापियों से मुक्त कर धर्म का ध्वज फहराया। वह आज भी अजर-अमर हैं और हमारे आठ चिरंजीवियों में से एक के रूप में आज भी इस धरती पर विराजमान होकर हमें मार्ग दिखा रहे हैं। डॉ. शर्मा ने आज के वैश्विक परिवेश में भगवान परशुराम के संदेशों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आज विश्व में जो अशांति का माहौल है, उसका मुख्य कारण लोभ, लालच एवं द्वेष की भावना है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम की शिक्षा है कि अधर्म के आगे कभी मत झुकें। जन्मोत्सव पर भगवान परशुराम की प्रतिमा को माला पहनाई और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने भगवान के भजनों का गुणगान किया और उनके द्वारा दिखाए गए सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्था सचिव रमन शर्मा, कोषाध्यक्ष लव शर्मा, भास्कर शर्मा, मुरारीलाल शर्मा, सुरेंद्र शास्त्री, खुशी शर्मा, चेष्टा शर्मा, दिनेश शास्त्री, संदीप जांगड़ा, राजकुमार शर्मा आदि उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले किसानों ने मंडी कार्यालय के बाहर धरना देकर किया प्रदर्शन

बायोमेट्रिक शर्तों के खिलाफ सड़कों पर उतरे किसान, खरीद प्रक्रिया पर उठाए सवाल, पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग

किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

किसानों का गुस्सा अब सड़कों पर खुलकर दिखाई देने लगा है। अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले किसानों ने सोमवार को मंडी कार्यालय के बाहर धरना देकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने मंडी खरीद में बायोमेट्रिक जैसी शर्तों, बीमा भुगतान में कथित गड़बड़ी और फसल नुकसान के मुआवजे को लेकर सरकार को चेतावनी दी है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। भिवानी की मंडी में सोमवार को उस वक्त माहौल गरमा गया जब अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान एकत्रित हुए और मंडी कार्यालय के सामने धरना शुरू कर दिया। किसानों ने मंडी में लागू की जा रही बायोमेट्रिक जैसी शर्तों को किसान विरोधी बताते हुए इसे तुरंत हटाने और पुरानी व्यवस्था लागू करने की मांग की। भाकियू के जिला प्रधान राकेश आर्य और संतोष देशवाल ने कहा कि सरकार किसानों को पोर्टलों और नई-नई शर्तों में उलझाकर खरीद प्रक्रिया को धीमा कर रही है, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भिवानी। मांगों को लेकर अनाजमंडी में धरने पर बैठे किसान। फोटो : हरिभूमि

27 को बनाई जाएगी आगामी रणनीति

किसान नेताओं ने बताया कि हाल ही में हुई बारिश और ओलावृष्टि से करीब 40 प्रतिशत तक फसल खराब हो चुकी है, लेकिन अब तक मुआवजा नहीं दिया गया है। इतना ही नहीं, जलभराव और बाढ़ से प्रभावित किसानों का मुद्दा भी इस प्रदर्शन में प्रमुखता से उठा। किसानों का कहना है कि खरीफ फसल बर्बाद होने के बावजूद तीन दर्जन गांवों के प्रभावित किसानों को आज तक मुआवजा नहीं मिला है। वहीं कई गांवों में जलभराव के चलते हजारों एकड़ जमीन पर रबी फसल की बुवाई भी नहीं हो सकी। किसानों ने 350 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम में फ्रॉड का आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच और जल्द भुगतान की मांग की। उनका कहना है कि इस मांग को लेकर किसान पिछले 9 महीनों से धरने पर बैठे हैं, लेकिन सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही। किसानों ने मंडियों में धीमी खरीद प्रक्रिया, पीने के पानी की समस्या और बाढ़ रोकथाम के लिए ठोस कदम न उठाए जाने को लेकर भी नाराजगी जताई। किसान नेताओं ने साफ चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द उनकी मांगें नहीं मानी, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा और पूरे हरियाणा में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। इसी कड़ी में किसानों ने 27 अप्रैल को हिसार में राज्य स्तरीय किसान कन्वेंशन आयोजित करने का ऐलान किया है, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी।

बवानीखेड़ा अनाज मंडी में किसानों ने खरीद नियमों के विरोध में सौंपा ज्ञापन

बवानीखेड़ा। ज्ञापन सौंपते हुए किसान सभा के सदस्य व अन्य। फोटो : हरिभूमि

बवानीखेड़ा। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को बवानीखेड़ा अनाज मंडी में किसानों ने हरियाणा सरकार द्वारा फसल खरीद के लिए बनाए गए नए नियमों के विरोध में प्रदर्शन किया और मार्केट कमेटी सचिव को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने कहा कि सरकार द्वारा लागू किए गए नियम किसान हित में नहीं हैं और इन्हें तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। धरने की अध्यक्षता अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष राजेश कुंगड़ ने की, जबकि एआईकेकेएमएस की ओर से सतबीर नेहरा भी मौजूद रहे। किसानों ने कहा कि मंडियों में खरीद प्रक्रिया को सरल बनाया जाए ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। ज्ञापन देने वालों ने कहा कि मौजूदा नियमों के कारण किसानों को फसल बेचने में दिक्कतें आ रही हैं, जिससे समय और आर्थिक नुकसान दोनों हो रहे हैं। इस अवसर पर राजेंद्र जाटू लुहारी, अनूप शर्मा, मास्टर हनुमान, हरफूल सिंह, जगदीश, रमेश चंद्र, बालीराम, रामनिवास गहलोत, ओमप्रकाश, तथा सर्व कर्मचारी संघ की ओर से मास्टर राजबीर सहित अनेक किसान व कर्मचारी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एसडीएम ने रेटों के लिफाफे खोले

तोशाम। एसडीएम संदीप कुमार ने सोमवार को सरपंचो, कंपनी के अधिकारियों, किसानों की मौजूदगी में छप्पार जोगियान, छप्पार रांगडान और डाडम गांवों में बिजली टावर लगाने वाली जगह के रेटों के लिफाफे खोले गए। इस दौरान प्रशासन, बिजली कंपनी के अधिकारी और किसानों मौजूद रहे । बता दें कि एसडीएम की अध्यक्षता में प्रशासन द्वारा सरपंचों, बिजली कंपनी के अधिकारी और किसानों के साथ संयुक्त बातचीत हुई कि थी किसानों की सहमति से मुआवजा देने उपरांत लाइन का काम शुरू किया जाएगा। एसडीएम संदीप कुमार ने बताया कि सरकार किसानों के साथ कोई अन्याय नहीं होने देगी।

नए नियम खत्म करने की मांग

बहल। अखिल भारतीय किसान सभा बहल अनाज मंडी में सरकारी खरीद का नया नियम रद करवाने के लिए मार्केट कमेटी बोर्ड के दफ्तर पर धरना दिया। सरकार किसान का अनाज सुचारू रूप से खरिद करें और उठान समय पर करें ताकि किसान के पैसे समय पर मिल जाए । आज कि अध्यक्षता सुबेदार धनपत सिंह ने कि संचालन मंदरूप यादव ने किया। ओर डाक्टर बलबीर सिंह ठाकन कहा कि स्मार्ट मीटर योजना रद करे ओर 2023कपास बिमा क्लेम पर लोहारू में अनिश्चितकालीन धरना चल रहा हे विस्तार से जानकारी दी गई । किसानो कि बिजली बोर्ड कि समस्या को मोके पर बुलाया अधिकारीयों को अवगत कराया है।

सरकार किसानों को कर रही परेशान

तोशाम। सोमवार को संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर मार्केट कमेटी कार्यालय तोशाम परिसर में मंडियों पर लगाई अनावश्यक शर्तों के विरोध में 11 बजे से 2 बजे तक धरना दिया गया। धरने की संयुक्त अध्यक्षता करण सिंह जैनावास, रोहतास सैनी व दयानंद फौजी ने संयुक्त रूप से की तथा संचालन नरेंद्र सिंह डाडम व धर्मवीर सिंह कानूनगो ने की। मास्टर जगरोशन रोढा ने कहा कि सरकार मण्डी कानूनों की आड़ में मंडियों को बिहार की तरह हरियाणा में समाप्त करना चाहती है। किसान वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर व बायोमेट्रिक मशीन की शर्त को गेट पर लगाकर किसानों को परेशान कर रही है। मण्डी में बारदाना, उठान व किसानों के भुगतान की समस्या बनी है।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने तेज किए कार्य

पानी उठाने व जल भंडारण में होगी वृद्धि

- रॉ वाटर स्टोरेज क्षमता बढ़ाने के लिए स्थापित की जाएंगी नौ नई मोटरें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी शहर की जलापूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए डीसी साहिल गुप्ता के द्वारा दिए गए सख्त निर्देशों का असर धरातल पर शुरू हो गए हैं। हाल ही में 28 इंच पाइपलाइन में आई बाधा तथा पुराने जल भंडारण टैंक में पानी की कमी को गंभीरता से लेते हुए डीसी ने अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से समाधान करने के निर्देश दिए थे। साहिल गुप्ता के संज्ञान पर शहर की जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं आने के बाद जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने कार्यों में तेजी शुरू कर दी है। रॉ वाटर स्टोरेज क्षमता बढ़ाने के लिए जहां नौ नई मोटरें लगाई जाएंगी वहीं पानी उठाने व जल भंडारण में भी वृद्धि होगी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग कार्यकारी अभियंता कपिल देव ने बताया कि शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए भिवानी शहर के लिए ऑगमेंटेशन ऑफ वाटर सप्लाई स्कीम तैयार की गई है, जिस पर लगभग 235 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस योजना को तकनीकी स्वीकृति के साथ-साथ प्रशासनिक मंजूरी भी मिल चुकी है।

स्टोरेज क्षमता बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे कदम

डीसी के निर्देशों के तहत मिताथल हेड पर 375 एचपी की मोटर लगाने का कार्य प्रगति पर है, जिससे पानी की उठान और भंडारण क्षमता में वृद्धि होगी। इसके अलावा, रॉ वाटर स्टोरेज बढ़ाने के लिए नौ नई मोटरें (375 एचपी प्रत्येक) स्थापित की जाएंगी। इस कार्य के लिए टेंडर जारी किया जा चुका है। डीसी के निर्देशानुसार विभाग की योजना के तहत सम्प वेल, पंप चैंबर, पंपिंग मशीनरी, इनलेट चैनल, इलेक्ट्रिक ट्रांसफॉर्मर व डीजी सेट तथा राइजिंग मेन पाइपलाइन का निर्माण किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह विवि के लिए गर्व का अवसर

सीबीएलयू के दीक्षांत समारोह की तैयारियाँ जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू), भिवानी के गौरवशाली इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। विश्वविद्यालय का 5वाँ दीक्षांत समारोह 25 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी ने लगभग 100 शोधार्थियों के साथ एक प्रेरणादायक संवाद सत्र आयोजित किया। विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत

इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। हरियाणा के राज्यपाल एवं कुलाधिपति प्रो असीम कुमार घोष इस अवसर पर स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को उपाधियाँ प्रदान करेंगे। समारोह में कई अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे। कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी ने कहा कि यह दीक्षांत समारोह विवि के लिए सामूहिक गर्व का अवसर है। उन्होंने आह्वान किया कि इस आयोजन की सफलता को हरियाणा की सीमाओं से पार ले जाने के लिए शोधार्थी प्रबंधन और संगठन में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस दौरान प्राणी शास्त्र विभाग की डीन प्रो. ललिता गुप्ता ने बताया कि शोधार्थियों को जल्द ही आधिकारिक व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से उनके विशिष्ट कार्य और उत्तरदायित्व सौंपे जाएंगे।

प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी दी

संवाद के दौरान डॉ. दीपक कुमार अनेजा, सहायक प्रोफेसर एवं पीएचडी समन्वयक ने शोधार्थियों को आगामी शैक्षणिक प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मई 2026 से सभी शोधार्थियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य कर दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रॉनिक डेटा रिकॉर्डिंग के लिए पंजीकरण का शेड्यूल जल्द ही पंजीकरण एवं छात्रवृत्ति शाखा द्वारा जारी किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में शोधार्थियों में भारी उत्साह देखा गया और सभी ने इस भव्य आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

नपा की जमीन से अतिक्रमण हटवाने को लेकर मंथन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

सोमवार को आयोजित बैठक का मुख्य उद्देश्य नगर पालिका की भूमि को चिन्हित करवाकर उसकी तारबंदी सुनिश्चित करना रहा। साथ ही तारबंदी के पश्चात नगर पालिका की जमीन से अतिक्रमण हटवाने को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई।

इसके अतिरिक्त, आगामी प्री-मानसून को ध्यान में रखते हुए आवश्यक तैयारियों एवं व्यवस्थाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। जांच प्रक्रियाधीन कार्यों के स्थलों की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी करवाकर शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करवाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सभी विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नगर हित में सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। नपा अध्यक्ष सुंदर अत्री ने कहा कि सभी सम्मानित सदस्य नगर के विकास कार्यों को लेकर प्रयत्न शील है सभी जुझारू हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नगर पालिका सचिव संदीप गर्ग, पार्षद रिंकू पार्षद दीपक सैनी,सुभाष चंद्र पार्षद,पार्षद बलराम गुज्जर, पार्षद बसंती देवी,पार्षद मनीषा, पार्षद सुमित्रा, पार्षद बिमला, पार्षद राजबाला,पार्षद कविता,पार्षद कमलेश एवं कार्यालय के सदस्य मौजूद रहे।

एसएल स्कूल के खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आठवीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप भिवानी खेल प्रति योगिता में एस एल इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने हाल ही में आयोजित खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विभिन्न खेलों में भाग लेते हुए विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अनेक पदक एवं श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किए। विशेष रूप से कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा हरिता ने 200 मीटर दौड़ में

दूसरा स्थान व लोंग जंप में तीसरा स्थान प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया है। बारहवीं के छात्र जयंत ने पांच हजार मीटर दौड़ में जिला स्तर पर तीसरा स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय निदेशक डॉ. सी. पी. मलिक ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को नकद राशि का इनाम देकर उन्हें सम्मानित किया। प्रधानाचार्य प्रतीक ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए आवश्यक हैं, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम वर्क की भावना भी विकसित करते हैं।

छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से किया प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन

- वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मेधावियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

राजकीय महिला महाविद्यालय बाढ़ड़ा में प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार के नेतृत्व में पांचवे वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्यतिथि के रूप में बाढ़ड़ा कस्बे के उपमंडल अधिकारी आशीष सागवान ने मुख्यतिथि के रूप में शिरकत की।

प्राचार्य प्रोफेसर अनिल व कालेज काउंसलिंग सदस्यों ने मुख्यतिथि का पुष्प-गुच्छ भेट कर स्वागत किया। समारोह का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना व महाविद्यालय कुलगीत के साथ हुआ। प्राचार्य प्रोफेसर अनिल ने वार्षिक रिपोर्ट का विवरण प्रस्तुत किया। प्राचार्य ने महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद, एनएसएस, विज्ञान प्रदर्शनी, महिला प्रकोष्ठ व अन्य गतिविधियों की वार्षिक उपलबिधयों पर प्रकाश डाला।

बाढ़ड़ा। राजकीय महिला महाविद्यालय बाढ़ड़ा में आयोजित कार्यक्रम में विजेता छात्राओं को सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

एकजुटता एवं भाइचारा ही किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्तिः एएसआई अशोक

पुलिसकर्मियों ने दिया 7 लाख एक हजार 111 रुपये कन्यादान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

अक्सर अनुशासन एवं सख्त ड्यूटी के लिए जाने वाले पुलिसकर्मियों ने मानवता और अटूट दोस्ती का एक ऐसा संदेश दिया, जिसकी चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है। गांव सांवड़ में शादी समारोह उस समय भावुक एवं गौरवान्वित क्षणों का गवाह बना, जब खाकी वर्दीधारी साथियों ने अपने दिवंगत साथी कर्मचारी की खुशी को अपनी खुशी बना लिया।

वर्ष 1998 में हरियाणा पुलिस में भर्ती हुए भिवानी एवं दादरी जिले के कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपने

साथी रविंद्र मिंटू शर्मा की पुत्री के विवाह में सात लाख एक हजार 111 रुपये की राशि कन्यादान स्वरूप भेंट किया, इसे क्षेत्र का अब तक का सबसे बड़ा एवं सामूहिक कन्यादान माना जा रहा है।

इस अनूठी पहल और सामाजिक कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे कबड्डी खिलाड़ी इंस्पेक्टर रमेश कुमार को सभी कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। पगड़ी जो हरियाणा की संस्कृति में मान-सम्मान एवं जिम्मेदारी का प्रतीक है, उसे पहनाकर साथियों ने निरीक्षक रमेश के कुशल नेतृत्व और इस नेक कार्य के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। इस मुहिम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए एएसआई अशोक कुमार ने बताया कि उनकी ये एकजुटता केवल ड्यूटी तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1998 बैच के हम सभी कर्मचारी, जो भिवानी और दादरी जिले से संबंध रखते हैं, पिछले कई वर्षों से एक परिवार की तरह रह रहे हैं।

व्यक्तिगत स्वार्थों में सिमटते जा रहे हैं लोग

हमारा उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि अपने साथियों के सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना भी है। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि समाज में यह संदेश जाए कि एकजुटता और भाईचारा ही किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। इस मौके पर इंस्पेक्टर रमेश कुमार ने कहा कि आज के दौर में जहां लोग व्यक्तिगत स्वार्थों में सिमटते जा रहे हैं, वहीं पुलिसकर्मियों की यह सामूहिक भागीदारी समाज को एकजुटता का पाठ पढ़ाती है। उन्होंने कहा कि कन्यादान केवल एक आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उन यादों एवं संघर्ष का सम्मान है, जो इन कर्मचारियों ने वर्ष 1998 से एक साथ सांझा किया है।